

---

# Shivakinkaraprokta Shivalingasparshamahima

शिवकिङ्कराप्रोक्ता शिवलिङ्गस्पर्शमहिमा

## Document Information

---

Text title : Shivakinkaraprokta Shivalingasparshamahima

File name : shivakinkarAproktAshivalingasparshamahimA.itx

Category : shiva, shivarahasya

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | ugrAkhyah saptamAMshaH | adhyAyaH 26

kumbhaghonamahimAnuvarNanam | vAvRittashlokaH||

Latest update : June 16, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 16, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

---

# Shivakinkaraprokta Shivalingasparshamahima

---

## शिवकिङ्कुराप्रोक्ता शिवलिङ्गस्पर्शमहिमा

---



(शिवरुद्रस्थान्तर्गते उग्राप्ये)

शिवकिङ्कुरा उग्रः

ये समर्थितगौरीशास्ते यान्ति शिवसन्निधिम् ।

येऽनभ्यर्थितगौरीशा निरथे तान्निपातय ॥ ३०३ ॥

अतस्तनुक्षये स्पृष्टं शिवलिङ्गं द्विजोत्तमैः ।

तैरीशकृपया लभ्यं गाणपत्यं न संशयः ॥ ३०४ ॥

कर्तव्यः शिवलिङ्गस्य स्पर्शः प्राणायत्यक्षणे ।

तेन नश्यन्ति पापानि गाणपत्यं च लभ्यते ॥ ३०७ ॥

शिवलिङ्गं शिवाकारं यः स्पृशेदन्वहं मुदा ।

तस्य सधः प्राणश्यन्ति महापातककोटयः ॥ ३०८ ॥

दुर्लभः शिवलिङ्गस्य स्पर्शो मुक्तिप्रदायकः ।

शिवलिङ्गाभिसंस्पर्शो भूरिपुण्यतपःफलम् ॥ ३०९ ॥

शिवलिङ्गस्य माहात्म्यं तत्स्पर्शस्यापि वस्तुतः ।

शङ्करो वेद सर्वज्ञस्तदन्यो न कदाचन ॥ ३१० ॥

शिवलिङ्गं शिवाकारं सर्ववेदान्तसंस्तुतम् ।

तदेव परमं पूज्यं ब्राह्मणार्थैर्मुमुक्षुभिः ॥ ३११ ॥

ज्ञानभोक्षप्रदं दिव्यं शिवलिङ्गं शिवात्मकम् । ३१२.१

॥ एति शिवरुद्रस्थान्तर्गते शिवकिङ्कुराप्रोक्ता शिवलिङ्गस्पर्शमहिमा सम्पूर्णा ॥

- ॥ श्रीशिवरुद्रस्यम् । उग्राप्यः सप्तमांशः । अध्यायः २६ कुम्भघोषामहिमानुवर्णनम् । वावृत्तश्लोकाः ॥


- .. shrIshivarahasyam . ugrAkhyah saptamAMshaH . adhyAyaH 26 kumbhaghonamahimAnuvarNa  
. vAvRRittashlokaH..


Notes:

Śivakinkarāḥ शिवकिङ्करः speak about the merits of Śivaliṅga Sparṣa शिवलिङ्ग स्पर्श.

Proofread by Ruma Dewan

---

——  
*Shivakinkaraprokta Shivalingaspārshamahima*  
pdf was typeset on June 16, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

